दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 24.06.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

"हरित रसायन पर्यावरण शुद्धि का सशक्त माध्यम है"-डॉ.सौरभ कुमार सिंह

गोरखपुर 24 जून। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के इस काल में हम सभी बहुत बड़ी चुनौती के मध्य अपने जीवन के सभी कामकाज अब करने लगे है। प्रत्येक व्यक्ति पर कोरोना वायरस का संक्रमण अलग–अलग होता है जिसे उष्मागतिकीय के सिद्धान्तों से समझा जा सकता है जैसे सभी प्रकार के समस्याओं का एक ही हल नही हो सकता उसी प्रकार कोविड–19 संक्रमण का प्रत्येक व्यक्ति पर एक ही उपाय नही हो सकता। सेनेटाइजर का भी हमारे मानव शरीर पर गलत प्रभाव हो सकता है। उक्त बातें **उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग लखनऊ के उपाध्यक्ष डॉ. अभय कुमार जैन** ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित **"कोविड–19 के साथ उत्तर जीविता"** विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में बोल रहे थे।

हम जानते है कि इस वायरस का अभी कोई इलाज मौजूद नही है जिसके कारण पुरे विश्व में फैले कोरोना महामारी के संक्रमण को कम करने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ रहा है। भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने सस्ते टेस्टिंग किट और वेन्टीलेटर का निर्माण किया है जो अनुमोदन के लिए इण्डियन कौसिंल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रस्तावित है। आधुनिक शोधकर्ताओं ने ये बताया कि लाकडाउन के कारण पूरे विश्व के पर्यावरण में प्रदूषण बहुत कम हुआ है जो कि क्षणिक है भविष्य में यदि हम हरित रसायन के क्षेत्र में अपने शोध को बढ़ायें तो वातावरण को शुद्ध किया जा सकता है। यह बातें उपरोक्त वेबिनार में **द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ. सौरभ कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, रसायानशास्त्र विभाग, भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, हैदराबाद** ने कही। इसी क्रम में उपरोक्त बेविनार के **तीसरे अतिथि वक्ता इण्डियन पेटेन्ट आफिस नई दिल्ली में कार्यरत पेटेन्ट अधिकारी श्री रविप्रकाश पाण्डेय** ने नये अन्वेषणों को पेटेन्ट अधिकार के रूप में संरक्षित करने के विधि के बारे में बताया। भारत एवं समूचे विश्व में कोरोना वायरस के संक्रमण में लाभ प्रद औषधियों पर प्रकाश डाला। उन्होने ने बताया कि जो औषधि हमारे वातावरण में पहले से ही किसी न किसी रूप में मौजूद है उन पर कोई पेटेन्ट नही दिया जा सकता केवल नये अन्वेषण पर पेटेन्ट संरक्षित कराया जा सकता है।

इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में डेनमार्क, नेपाल, अमेरिका, स्वीडेन से विभिन्न प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस वेबिनार के तकनीकी **संयोजक डॉ.आनन्द कुमार गुप्ता** ने प्रस्ताविकी, स्वागत व संचालन किया।

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं समसामयिक जीवन शैली का पालन करना ही इस बीमारी से मुख्य बचाव है। वेबिनार के अन्त में डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने विशेषज्ञ, प्रतिभागियों और संस्था के प्रति आभार ज्ञापन किया।

वेबिनार में मुख्य रूप से डॉ. शशि प्रभा सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ.राजेश सिंह, डॉ.नितिश शुक्ला, डॉ.पवन पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्री बृजेश विश्वकर्मा आदि ने सहयोग किया।

कल दिनांक 25.06.2020 को प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 12.20 वेबिनार के तृतीय दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश कुमार सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं डॉ. शीला सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर सम्मिलित होंगी।

डॉ.(शैलेश सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 24.06.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

"हरित रसायन पर्यावरण शुद्धि का सशक्त माध्यम है"-डॉ.सौरभ कुमार सिंह

गोरखपुर 24 जून। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के इस काल में हम सभी बहुत बड़ी चुनौती के मध्य अपने जीवन के सभी कामकाज अब करने लगे है। प्रत्येक व्यक्ति पर कोरोना वायरस का संक्रमण अलग–अलग होता है जिसे उष्मागतिकीय के सिद्धान्तों से समझा जा सकता है जैसे सभी प्रकार के समस्याओं का एक ही हल नही हो सकता उसी प्रकार कोविड–19 संक्रमण का प्रत्येक व्यक्ति पर एक ही उपाय नही हो सकता। सेनेटाइजर का भी हमारे मानव शरीर पर गलत प्रभाव हो सकता है। उक्त बातें **उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग लखनऊ के उपाध्यक्ष डॉ. अभय कुमार जैन** ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित **"कोविड–19 के साथ उत्तर जीविता"** विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में बोल रहे थे।

हम जानते है कि इस वायरस का अभी कोई इलाज मौजूद नही है जिसके कारण पुरे विश्व में फैले कोरोना महामारी के संक्रमण को कम करने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ रहा है। भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने सस्ते टेस्टिंग किट और वेन्टीलेटर का निर्माण किया है जो अनुमोदन के लिए इण्डियन कौसिंल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रस्तावित है। आधुनिक शोधकर्ताओं ने ये बताया कि लाकडाउन के कारण पूरे विश्व के पर्यावरण में प्रदूषण बहुत कम हुआ है जो कि क्षणिक है भविष्य में यदि हम हरित रसायन के क्षेत्र में अपने शोध को बढ़ायें तो वातावरण को शुद्ध किया जा सकता है। यह बातें उपरोक्त वेबिनार में **द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ. सौरभ कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, रसायानशास्त्र विभाग, भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, हैदराबाद** ने कही। इसी क्रम में उपरोक्त बेविनार के **तीसरे अतिथि वक्ता इण्डियन पेटेन्ट आफिस नई दिल्ली में कार्यरत पेटेन्ट अधिकारी श्री रविप्रकाश पाण्डेय** ने नये अन्वेषणों को पेटेन्ट अधिकार के रूप में संरक्षित करने के विधि के बारे में बताया। भारत एवं समूचे विश्व में कोरोना वायरस के संक्रमण में लाभ प्रद औषधियों पर प्रकाश डाला। उन्होने ने बताया कि जो औषधि हमारे वातावरण में पहले से ही किसी न किसी रूप में मौजूद है उन पर कोई पेटेन्ट नही दिया जा सकता केवल नये अन्वेषण पर पेटेन्ट संरक्षित कराया जा सकता है।

इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में डेनमार्क, नेपाल, अमेरिका, स्वीडेन से विभिन्न प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस वेबिनार के तकनीकी **संयोजक डॉ.आनन्द कुमार गुप्ता** ने प्रस्ताविकी, स्वागत व संचालन किया।

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं समसामयिक जीवन शैली का पालन करना ही इस बीमारी से मुख्य बचाव है। वेबिनार के अन्त में डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने विशेषज्ञ, प्रतिभागियों और संस्था के प्रति आभार ज्ञापन किया।

वेबिनार में मुख्य रूप से डॉ. शशि प्रभा सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ.राजेश सिंह, डॉ.नितिश शुक्ला, डॉ.पवन पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्री बृजेश विश्वकर्मा आदि ने सहयोग किया।

कल दिनांक 25.06.2020 को प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 12.20 वेबिनार के तृतीय दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश कुमार सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं डॉ. शीला सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर सम्मिलित होंगी।

डॉ.(शैलेश सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 24.06.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

"हरित रसायन पर्यावरण शुद्धि का सशक्त माध्यम है"-डॉ.सौरभ कुमार सिंह

गोरखपुर 24 जून। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के इस काल में हम सभी बहुत बड़ी चुनौती के मध्य अपने जीवन के सभी कामकाज अब करने लगे है। प्रत्येक व्यक्ति पर कोरोना वायरस का संक्रमण अलग–अलग होता है जिसे उष्मागतिकीय के सिद्धान्तों से समझा जा सकता है जैसे सभी प्रकार के समस्याओं का एक ही हल नही हो सकता उसी प्रकार कोविड–19 संक्रमण का प्रत्येक व्यक्ति पर एक ही उपाय नही हो सकता। सेनेटाइजर का भी हमारे मानव शरीर पर गलत प्रभाव हो सकता है। उक्त बातें **उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग लखनऊ के उपाध्यक्ष डॉ. अभय कुमार जैन** ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित **"कोविड–19 के साथ उत्तर जीविता"** विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में बोल रहे थे।

हम जानते है कि इस वायरस का अभी कोई इलाज मौजूद नही है जिसके कारण पुरे विश्व में फैले कोरोना महामारी के संक्रमण को कम करने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ रहा है। भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने सस्ते टेस्टिंग किट और वेन्टीलेटर का निर्माण किया है जो अनुमोदन के लिए इण्डियन कौसिंल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रस्तावित है। आधुनिक शोधकर्ताओं ने ये बताया कि लाकडाउन के कारण पूरे विश्व के पर्यावरण में प्रदूषण बहुत कम हुआ है जो कि क्षणिक है भविष्य में यदि हम हरित रसायन के क्षेत्र में अपने शोध को बढ़ायें तो वातावरण को शुद्ध किया जा सकता है। यह बातें उपरोक्त वेबिनार में **द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ. सौरभ कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, रसायानशास्त्र विभाग, भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, हैदराबाद** ने कही। इसी क्रम में उपरोक्त बेविनार के **तीसरे अतिथि वक्ता इण्डियन पेटेन्ट आफिस नई दिल्ली में कार्यरत पेटेन्ट अधिकारी श्री रविप्रकाश पाण्डेय** ने नये अन्वेषणों को पेटेन्ट अधिकार के रूप में संरक्षित करने के विधि के बारे में बताया। भारत एवं समूचे विश्व में कोरोना वायरस के संक्रमण में लाभ प्रद औषधियों पर प्रकाश डाला। उन्होने ने बताया कि जो औषधि हमारे वातावरण में पहले से ही किसी न किसी रूप में मौजूद है उन पर कोई पेटेन्ट नही दिया जा सकता केवल नये अन्वेषण पर पेटेन्ट संरक्षित कराया जा सकता है।

इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में डेनमार्क, नेपाल, अमेरिका, स्वीडेन से विभिन्न प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस वेबिनार के तकनीकी **संयोजक डॉ.आनन्द कुमार गुप्ता** ने प्रस्ताविकी, स्वागत व संचालन किया।

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं समसामयिक जीवन शैली का पालन करना ही इस बीमारी से मुख्य बचाव है। वेबिनार के अन्त में डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने विशेषज्ञ, प्रतिभागियों और संस्था के प्रति आभार ज्ञापन किया।

वेबिनार में मुख्य रूप से डॉ. शशि प्रभा सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ.राजेश सिंह, डॉ.नितिश शुक्ला, डॉ.पवन पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्री बृजेश विश्वकर्मा आदि ने सहयोग किया।

कल दिनांक 25.06.2020 को प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 12.20 वेबिनार के तृतीय दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश कुमार सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं डॉ. शीला सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर सम्मिलित होंगी।

डॉ.(शैलेश सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 24.06.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

"हरित रसायन पर्यावरण शुद्धि का सशक्त माध्यम है"-डॉ.सौरभ कुमार सिंह

गोरखपुर 24 जून। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के इस काल में हम सभी बहुत बड़ी चुनौती के मध्य अपने जीवन के सभी कामकाज अब करने लगे है। प्रत्येक व्यक्ति पर कोरोना वायरस का संक्रमण अलग–अलग होता है जिसे उष्मागतिकीय के सिद्धान्तों से समझा जा सकता है जैसे सभी प्रकार के समस्याओं का एक ही हल नही हो सकता उसी प्रकार कोविड–19 संक्रमण का प्रत्येक व्यक्ति पर एक ही उपाय नही हो सकता। सेनेटाइजर का भी हमारे मानव शरीर पर गलत प्रभाव हो सकता है। उक्त बातें **उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग लखनऊ के उपाध्यक्ष डॉ. अभय कुमार जैन** ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित **"कोविड–19 के साथ उत्तर जीविता"** विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में बोल रहे थे।

हम जानते है कि इस वायरस का अभी कोई इलाज मौजूद नही है जिसके कारण पुरे विश्व में फैले कोरोना महामारी के संक्रमण को कम करने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ रहा है। भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने सस्ते टेस्टिंग किट और वेन्टीलेटर का निर्माण किया है जो अनुमोदन के लिए इण्डियन कौसिंल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रस्तावित है। आधुनिक शोधकर्ताओं ने ये बताया कि लाकडाउन के कारण पूरे विश्व के पर्यावरण में प्रदूषण बहुत कम हुआ है जो कि क्षणिक है भविष्य में यदि हम हरित रसायन के क्षेत्र में अपने शोध को बढ़ायें तो वातावरण को शुद्ध किया जा सकता है। यह बातें उपरोक्त वेबिनार में **द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ. सौरभ कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, रसायानशास्त्र विभाग, भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, हैदराबाद** ने कही। इसी क्रम में उपरोक्त बेविनार के **तीसरे अतिथि वक्ता इण्डियन पेटेन्ट आफिस नई दिल्ली में कार्यरत पेटेन्ट अधिकारी श्री रविप्रकाश पाण्डेय** ने नये अन्वेषणों को पेटेन्ट अधिकार के रूप में संरक्षित करने के विधि के बारे में बताया। भारत एवं समूचे विश्व में कोरोना वायरस के संक्रमण में लाभ प्रद औषधियों पर प्रकाश डाला। उन्होने ने बताया कि जो औषधि हमारे वातावरण में पहले से ही किसी न किसी रूप में मौजूद है उन पर कोई पेटेन्ट नही दिया जा सकता केवल नये अन्वेषण पर पेटेन्ट संरक्षित कराया जा सकता है।

इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में डेनमार्क, नेपाल, अमेरिका, स्वीडेन से विभिन्न प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस वेबिनार के तकनीकी **संयोजक डॉ.आनन्द कुमार गुप्ता** ने प्रस्ताविकी, स्वागत व संचालन किया।

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं समसामयिक जीवन शैली का पालन करना ही इस बीमारी से मुख्य बचाव है। वेबिनार के अन्त में डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने विशेषज्ञ, प्रतिभागियों और संस्था के प्रति आभार ज्ञापन किया।

वेबिनार में मुख्य रूप से डॉ. शशि प्रभा सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ.राजेश सिंह, डॉ.नितिश शुक्ला, डॉ.पवन पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्री बृजेश विश्वकर्मा आदि ने सहयोग किया।

कल दिनांक 25.06.2020 को प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 12.20 वेबिनार के तृतीय दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश कुमार सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं डॉ. शीला सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर सम्मिलित होंगी।

डॉ.(शैलेश सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 24.06.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

"हरित रसायन पर्यावरण शुद्धि का सशक्त माध्यम है"-डॉ.सौरभ कुमार सिंह

गोरखपुर 24 जून। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के इस काल में हम सभी बहुत बड़ी चुनौती के मध्य अपने जीवन के सभी कामकाज अब करने लगे है। प्रत्येक व्यक्ति पर कोरोना वायरस का संक्रमण अलग–अलग होता है जिसे उष्मागतिकीय के सिद्धान्तों से समझा जा सकता है जैसे सभी प्रकार के समस्याओं का एक ही हल नही हो सकता उसी प्रकार कोविड–19 संक्रमण का प्रत्येक व्यक्ति पर एक ही उपाय नही हो सकता। सेनेटाइजर का भी हमारे मानव शरीर पर गलत प्रभाव हो सकता है। उक्त बातें **उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग लखनऊ के उपाध्यक्ष डॉ. अभय कुमार जैन** ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित **"कोविड–19 के साथ उत्तर जीविता"** विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में बोल रहे थे।

हम जानते है कि इस वायरस का अभी कोई इलाज मौजूद नही है जिसके कारण पुरे विश्व में फैले कोरोना महामारी के संक्रमण को कम करने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ रहा है। भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने सस्ते टेस्टिंग किट और वेन्टीलेटर का निर्माण किया है जो अनुमोदन के लिए इण्डियन कौसिंल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रस्तावित है। आधुनिक शोधकर्ताओं ने ये बताया कि लाकडाउन के कारण पूरे विश्व के पर्यावरण में प्रदूषण बहुत कम हुआ है जो कि क्षणिक है भविष्य में यदि हम हरित रसायन के क्षेत्र में अपने शोध को बढ़ायें तो वातावरण को शुद्ध किया जा सकता है। यह बातें उपरोक्त वेबिनार में **द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ. सौरभ कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, रसायानशास्त्र विभाग, भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, हैदराबाद** ने कही। इसी क्रम में उपरोक्त बेविनार के **तीसरे अतिथि वक्ता इण्डियन पेटेन्ट आफिस नई दिल्ली में कार्यरत पेटेन्ट अधिकारी श्री रविप्रकाश पाण्डेय** ने नये अन्वेषणों को पेटेन्ट अधिकार के रूप में संरक्षित करने के विधि के बारे में बताया। भारत एवं समूचे विश्व में कोरोना वायरस के संक्रमण में लाभ प्रद औषधियों पर प्रकाश डाला। उन्होने ने बताया कि जो औषधि हमारे वातावरण में पहले से ही किसी न किसी रूप में मौजूद है उन पर कोई पेटेन्ट नही दिया जा सकता केवल नये अन्वेषण पर पेटेन्ट संरक्षित कराया जा सकता है।

इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में डेनमार्क, नेपाल, अमेरिका, स्वीडेन से विभिन्न प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस वेबिनार के तकनीकी **संयोजक डॉ.आनन्द कुमार गुप्ता** ने प्रस्ताविकी, स्वागत व संचालन किया।

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं समसामयिक जीवन शैली का पालन करना ही इस बीमारी से मुख्य बचाव है। वेबिनार के अन्त में डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने विशेषज्ञ, प्रतिभागियों और संस्था के प्रति आभार ज्ञापन किया।

वेबिनार में मुख्य रूप से डॉ. शशि प्रभा सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ.राजेश सिंह, डॉ.नितिश शुक्ला, डॉ.पवन पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्री बृजेश विश्वकर्मा आदि ने सहयोग किया।

कल दिनांक 25.06.2020 को प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 12.20 वेबिनार के तृतीय दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश कुमार सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं डॉ. शीला सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर सम्मिलित होंगी।

डॉ.(शैलेश सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क